डॉ. रॉबर्ट वानॉय, पुराने नियम का इतिहास, व्याख्यान 22

© 2012, डॉ. रॉबर्ट वानॉय और टेड हिल्डेब्रांट

इब्राहीम वाचा - जनरल 12, 15, ...

व्यवस्थाविवरण वर्ग असाइनमेंट

अगले सप्ताह के असाइनमेंट में व्यवस्थाविवरण की संरचना का लिखित विश्लेषण शामिल है। मैं लंबे पेपर की तलाश में नहीं हूँ। मैं वास्तव में आपके द्वारा व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पढ़ने के अलावा और कुछ नहीं चाह रहा हूँ, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप सामग्री की संरचना और प्रमुख विभाजनों पर विचार करें। आप शुल्ज़ को पढ़ सकते हैं जो सामग्री का सारांश प्रस्तुत करता है। तो मैं वास्तव में जो खोज रहा हूँ वह व्यवस्थाविवरण की रूपरेखा के रूप में है और निश्चित रूप से प्रमुख प्रभागों और उप-विभाजनों के कुछ संकेत के साथ है। अध्याय 1-11 के मूल उद्देश्य को इंगित करें और फिर अध्याय 12-26 में प्रमुख श्रेणी को इंगित करें जो कि कानूनी सामग्री है जो पुस्तक का दिल है। और अध्याय 27-34 में सामग्री की प्रकृति। इसलिए मूल रूप से मैं जो खोज रहा हूँ वह सामग्री की संरचनात्मक रूपरेखा है। हम कक्षा में जो करने जा रहे हैं उसकी पृष्ठभूमि के रूप में यह किया जाना चाहिए। मैं किसी भी प्रकार के लंबे पेपर की तलाश में नहीं हूँ। यह सिर्फ आपको किताब की संरचना पर नजर डालने के लिए है।

यह कोर्स चलता रहता है। इसलिए जब मैं अगली तिमाही में ड्यूटेरोनॉमी में पहुँचूँगा तो यह उसके लिए तैयारी है। मेरे ऐसा करने का केवल एक ही कारण है क्योंकि मुझे लगता है कि इसमें प्रेरक कारक है जो आपको उस सामग्री को ध्यान से पढ़ने और उस पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। दुर्भाग्य से, मानव स्वभाव यह है कि जब आप जानते हैं कि आपको किसी चीज़ के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा तो आप आमतौर पर बेहतर काम करते हैं। यह आपको सताने के लिए नहीं है बल्कि इस सामग्री में महारत हासिल करने में आपकी मदद करने के लिए है।

अब्राहम एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में

1. इब्राहीम और पलिशती
2. इब्राहीम हमारे आध्यात्मिक पिता के रूप में

एक। इब्राहीम के साथ परमेश्वर की वाचा

उत्पत्ति 12:1-3 - निष्क्रिय या प्रतिवर्ती

हम अंतिम कक्षा समय में अब्राहम पर एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में चर्चा कर रहे थे। इब्राहीम और पलिशतियों के बारे में हमारी चर्चा और इस सवाल से कि क्या पितृसत्तात्मक काल में पलिशतियों के साथ संपर्क एक अनाचारवाद है, मैंने यह निष्कर्ष निकाला है। आइए 2. "अब्राहम हमारे आध्यात्मिक पिता के रूप में" पर चलते हैं। वहां कई उप-बिंदु हैं, लेकिन ए. "अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा" है जिसका उल्लेख सूचीबद्ध चार अनुच्छेदों में किया गया है। इनमें से पहला उत्पत्ति 12:1-3 में पाया जाता है। तो उस शीर्षक के अंतर्गत मैं जो करना चाहता हूं वह इन अंशों को देखना है और देखना है कि इब्राहीम के साथ परमेश्वर की वाचा में क्या शामिल है। उत्पत्ति 12:1-3 और पद 7 में आपके पास इब्राहीम की पुकार का मूल कथन है जहां उसे अपने लोगों और देश को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर जाने के लिए कहा गया है जो भगवान उसे दिखाएगा। उन्हें कुछ वादे दिए जाते हैं। हम पढ़ते हैं, "यहोवा ने अब्राम से कहा था, 'अपना देश, अपनी प्रजा और अपने पिता के घराने को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा। मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा; मैं तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष ठहरेगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीर्वाद दूंगा, और जो तुझे शाप दे, उसे मैं शाप दूंगा; और पृथ्वी के सब कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।" फिर पद 7 में, "यहोवा ने अब्राम को दर्शन देकर कहा, 'मैं यह देश तेरे वंश को दूंगा।' [यह उसके देश में आने के बाद हुआ।] इसलिये उस ने वहां यहोवा के लिये, जिस ने उसे दर्शन दिया था, एक वेदी बनाई।

अब आयत 2 में जहां आपने आशीर्वादों की चर्चा की है, आप पाते हैं कि इब्राहीम की संतान एक महान राष्ट्र बनेगी और उसे आशीर्वाद दिया जाएगा और उसका नाम महान बनाया जाएगा। अब इसके लिए संदर्भ याद रखें। उसने अभी-अभी हारान छोड़ा है और उसकी कोई संतान नहीं है। परन्तु यहोवा कहता है, कि वह इब्राहीम से एक बड़ी जाति बनाएगा, और उसका नाम महान करेगा। उत्पत्ति के प्रारंभिक अध्यायों के संदर्भ में एक महान नाम बनाने के उस संदर्भ को याद रखें। यदि आप उत्पत्ति 6:1-4 पर वापस जाएं तो यह परमेश्वर के पुत्रों की महत्वाकांक्षा थी जिन्होंने पुरुषों की बेटियों के साथ विवाह किया और हमने वहां व्याख्या की संभावनाओं पर चर्चा की। हम अध्याय 6 के श्लोक 4 के अंत में उन विवाहों की संतानों के बारे में पढ़ते हैं। "पुराने पुरुष" का शाब्दिक अर्थ "नाम के पुरुष" हैं। फिर जब तुम उत्पत्ति 11 पर पहुँचे, जहाँ लोग एक मीनार बनाने के लिये इकट्ठे हुए, जिसकी चोटी स्वर्ग तक पहुँचती थी, तो उन्होंने कहा, "आओ हम अपना नाम करें, ऐसा न हो कि हम पृथ्वी पर तितर-बितर हो जाएँ।" जब आप उत्पत्ति 12, पद 2 पर आते हैं, तो प्रभु इब्राहीम से कहते हैं, "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा।" ईश्वर इब्राहीम को वह देगा जो दूसरों ने अनुचित तरीके से मांगा था, ईश्वर उसे उचित तरीके से देगा।

फिर श्लोक 2 में अंतिम वाक्यांश, आप पढ़ते हैं, "आप एक आशीर्वाद होंगे।" उस कथन को श्लोक 3 में और अधिक विस्तार से प्रस्तुत किया गया है, क्योंकि श्लोक 3 में यह कहा गया है, "जो तुम्हें आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीर्वाद दूँगा, और जो कोई तुम्हें शाप दे, मैं उसे शाप दूँगा; और पृथ्वी के सब कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।" अब श्लोक 3 का अंतिम वाक्यांश महत्वपूर्ण है। हालाँकि, एक अनुवाद प्रश्न उठता है। यदि आप किंग जेम्स या एनआईवी की तुलना करते हैं जो कहता है, "पृथ्वी के सभी लोग आपके माध्यम से धन्य होंगे।" आपने देखा कि अनुवाद एक निष्क्रिय है, "तुम्हारे माध्यम से आशीर्वाद प्राप्त करें।" जबकि यदि आप संशोधित मानक संस्करण को देखें तो आपको अनुवाद मिलेगा "तुम्हारे द्वारा पृथ्वी के सभी परिवार स्वयं को आशीर्वाद देंगे।"

अब वह वाक्यांश "पृथ्वी के सभी परिवार तुम्हारे कारण धन्य होंगे" या "तुम्हारे वंश में" उत्पत्ति की पुस्तक में पांच बार दोहराया गया है। आप इसे यहां उत्पत्ति 12:3 में पाते हैं जहां हिब्रू निर्माण को निफाल कहा जाता है, मैं इसे एक मिनट में समझाऊँगा। आपके पास उत्पत्ति 18:18 और 28:14 में भी है जहां आपके पास निफाल का वही हिब्रू निर्माण है। लेकिन फिर आपके पास

यह हिथपेल में उत्पत्ति 22:18 और 26:4 में है जो वहां हिब्रू निर्माण में एक अन्य प्रकार का मौखिक रूप है। इसलिए कि तीन बार क्रिया निफल है और दो बार क्रिया हिथपेल है, लेकिन आपके पास एक ही अभिव्यक्ति कभी-कभी इब्राहीम और कभी-कभी उसके वंशजों, इसहाक और जैकब के लिए दोहराई जाती है। सवाल यह है कि वाक्यांश का सबसे अच्छा अनुवाद कैसे किया जाता है।

यह दिलचस्प है कि सेप्टुआजिंट, हिब्रू का ग्रीक अनुवाद, सभी पांच वाक्यांशों को लगातार भविष्य निष्क्रिय के रूप में अनुवादित करता है न कि भविष्य के मध्य के रूप में। दूसरे शब्दों में, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि ग्रीक में इसे लगातार निष्क्रिय समझा जाता था। अब आप आरएसवी में आते हैं और आपके पास यह निष्क्रिय के रूप में नहीं है, आपके पास यह है जिसे रिप्लेक्सिव कहा जाएगा: "आपमें पृथ्वी के सभी परिवार खुद को आशीर्वाद देंगे।" यह एक प्रतिवर्ती प्रकार की क्रिया है। सवाल यह है कि उन्होंने इसका अलग-अलग अनुवाद क्यों किया? यदि आप टिप्पणियों को देखें तो आप पाएंगे कि अधिकांश आधुनिक टिप्पणियाँ इसका आरएसवी की तरह अनुवाद करती हैं और इसे प्रतिवर्ती बनाती हैं। इन टिप्पणियों में इस संबंध में अक्सर कहा जाता है कि निफल जो आम तौर पर एक निष्क्रिय तना है, उसका अनुवाद रिप्लेक्सिव के रूप में किया जा सकता है, लेकिन हिथपेल जो आम तौर पर एक रिप्लेक्सिव तना है, उसे निष्क्रिय के रूप में अनुवादित नहीं किया जा सकता है।

अब ग्रंथ सूची में इसका एक चित्रण है। पृष्ठ 13 के शीर्ष पर प्रविष्टि पर ध्यान दें, एंकर बाइबिल श्रृंखला में एप्रेम स्पाइसर की पुस्तक जेनेसिस से। स्पाइसर पृष्ठ 86 पर कहते हैं, "हिब्रू रूप का अनुवाद अक्सर 'आशीर्वाद किया जाएगा' के रूप में किया जाता है, क्योंकि यह निफल है जो आम तौर पर, हालांकि हमेशा नहीं, निष्क्रिय होता है। हालाँकि, हिथपेल के साथ समानांतर मार्ग भी हैं जो प्रतिवर्ती या पारस्परिक हो सकते हैं लेकिन निष्क्रिय नहीं। स्पाइसर का कहना है कि हिथपेल का निष्क्रिय अनुवाद नहीं किया जा सकता है। इसलिए इस खंड का मतलब यह है कि दुनिया के राष्ट्र खुद को या एक दूसरे को आशीर्वाद देने में इब्राहीम को अपने आदर्श के रूप में इंगित करेंगे। दूसरी ओर, निष्क्रिय का अर्थ यह होगा कि इब्राहीम और उसके वंशजों द्वारा प्राप्त विशेषाधिकारों को अन्य देशों तक बढ़ाया जाएगा। सतह पर अंतर मामूली हो सकता है, फिर भी यह धार्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, न ही कोई भाषाई उपयोग के साक्ष्य की उपेक्षा कर सकता

है। अब स्पाइसर इस बिंदु पर सही है कि चाहे आप इसे प्रतिवर्ती रूप से या निष्क्रिय रूप से अनुवाद करें, इसका बड़ा धार्मिक महत्व है। क्या यह भविष्यवाणी के ढंग से कहा जा रहा है कि इब्राहीम और उसके वंश के माध्यम से अन्य राष्ट्रों को भी वही आशीष मिलने वाली है जो उनके साथ घटित होगी? या यह सिर्फ यह कह रहा है कि अन्य राष्ट्र इब्राहीम को अपने आदर्श के रूप में देखेंगे और कुछ अर्थों में खुद को आशीर्वाद देंगे। इसलिए यह महत्वपूर्ण है। लेकिन स्पाइसर का कहना है कि हिथपेल को निष्क्रिय के रूप में अनुवादित नहीं किया जा सकता है। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सभी पांचों का अनुवाद एक ही तरह से किया जाना चाहिए, यह वही वाक्यांश है जिसे दोहराया गया है। इसलिए उन सभी को निष्क्रिय रूप से अनुवाद करने के बजाय स्पाइसर और अन्य लोगों ने उन्हें रिफ्लेक्सिव रूप से अनुवादित किया, भले ही आपके पास एक निफाल है जो सामान्य रूप से हिब्रू में निष्क्रिय है।

अब सवाल यह है कि क्या यह वाकई सच है कि हिटपेल का निष्क्रिय अनुवाद नहीं किया जा सकता है? आपकी ग्रंथ सूची में मेरे पास द लॉ एंड द प्रोफेट्स पृष्ठ 372 में एलन मैकरे के "पॉल द्वारा यशायाह 65:1 का उपयोग" का संदर्भ है। लेख उत्पत्ति 12 या इस पाठ पर नहीं है, लेकिन वह इसके उपयोग पर चर्चा करता है। हिटपेल । और इस खंड पृष्ठ 372 में वह कहते हैं, "आज हिब्रू पर अधिकांश पुस्तकें सौ साल पहले के हिब्रू व्याकरणों में दिए गए बयानों को बिना सोचे-समझे दोहराती हैं, और कभी-कभी ये कथन पूरी जांच के तहत खड़े नहीं होंगे। इस प्रकार कई हिब्रू व्याकरण कहते हैं कि हिथपेल शायद ही कभी निष्क्रिय होता है। अब आप कुछ हिब्रू व्याकरणों को देखें तो वे कहेंगे कि यह कभी निष्क्रिय नहीं होता। लेकिन वह कहते हैं, "कई हिब्रू व्याकरण कहते हैं कि हिथपेल शायद ही कभी निष्क्रिय होता है, लेकिन सावधानीपूर्वक जांच से पता चलता है कि इसकी कम से कम एक चौथाई घटनाओं को निष्क्रिय के रूप में समझा जाना चाहिए। अधिक से अधिक एक तिहाई से अधिक प्रतिवर्ती नहीं हैं और बहुत कम की व्याख्या पारस्परिक के रूप में की जा सकती है। यह केवल पिछले कुछ वर्षों के भीतर है कि पुनरावृत्त और टिकाऊ हिथपेल के अस्तित्व को मान्यता दी गई है" और फिर वह किसी और चीज़ से आगे निकल जाता है। लेकिन मुद्दा यह है कि मैकरे कहते हैं, "इसकी एक चौथाई घटनाओं को निष्क्रिय के रूप में

अनुवादित किया जाना चाहिए।" इसलिए इस कथन का कोई आधार नहीं है कि हिथपेल को निष्क्रिय के रूप में अनुवादित नहीं किया जा सकता है। यह हो सकता है।

अब इसका मतलब है कि जब आप दोबारा उस कथन पर आते हैं, तो आप इसका अनुवाद रिप्लेक्सिव या निष्क्रिय कर सकते हैं। यह बहुत कुछ आपके महत्व की समझ पर निर्भर करता है। व्याकरण इसे किसी भी दिशा में जाने की अनुमति देता है और इसमें उतनी टिप्पणियाँ नहीं हैं और जैसा कि स्पाइसर व्यक्त करेगा कि हिथपेल को निष्क्रिय के रूप में अनुवादित नहीं किया जा सकता है।

यदि आप इस प्रश्न में रुचि रखते हैं, और शायद यह एक अस्पष्ट बिंदु की तरह लगता है, तो इस पर एक अच्छा लेख है जिसे आप 1937 के प्रिंसटन थियोलॉजिकल रिव्यू में ओटी एलिस, "द ब्लेसिंग ऑफ अब्राहम" की प्रविष्टि में पढ़ सकते हैं। वह वहां प्रश्न पर बहुत गहनता से और बहुत सावधानी से चर्चा करता है। मैं बस यह कह सकता हूँ कि पहले कुछ पत्रों पर वह कहते हैं, वह एक प्रसिद्ध व्याकरण के बारे में बोलते हैं जो फिर से कहता है कि हिथपेल निष्क्रिय नहीं हो सकता है, केवल रिप्लेक्सिव हो सकता है, वह कहते हैं, "छात्र, अगर उसे चूक के बारे में पता होता तो वह होता सामान्य नियम के संदिग्ध या नगण्य अपवादों से परेशान होने की आवश्यकता से बचाने के लिए डॉ. मैकफैडॉन का आभारी हूँ। लेकिन अगर छात्र को बताया जाए कि यह सामान्य नियम के इस महत्वहीन अपवाद की वैधता पर है कि अब्राहम के आशीर्वाद की ऐतिहासिक व्याख्या निर्भर करती है और डॉ. मैकफैडॉन की व्याकरण की कुंजी उस शानदार वादे से इंजील के दिल को काट देती है। यदि वह गंभीरता से विचार करता तो इस मामले के संबंध में वह बिल्कुल अलग तरह से महसूस करता। हिथपेल के संभावित अर्थों का प्रश्न हिब्रू व्याकरण की सूखी हड्डियाँ बनना बंद हो जाएगा और ईसाई धर्म के लिए एक छोटे से क्षण का जीवंत मुद्दा बन जाएगा। तो यहाँ एक ऐसी जगह है जहाँ हिब्रू व्याकरण एक महत्वपूर्ण अनुच्छेद की व्याख्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अब एलिस उस लेख में आगे बताते हैं कि इन सभी पांच परिच्छेदों का सामरी, बेबीलोनियन और जेरूसलम टारगम्स में निष्क्रिय के रूप में अनुवाद किया गया है, न केवल सेप्टुआजेंट में, बल्कि टारगम्स में भी। टारगम्स हिब्रू पुराने नियम के अरामी अनुवाद हैं, निर्वासन

के बाद जब अरामी निकट पूर्व में प्रमुख भाषा बन गई। हर मामले में वे टारगम निष्क्रिय हैं। इन परिच्छेदों के सेप्टुआजेंट और वुल्गेट और न्यू टेस्टामेंट उद्धरण हमेशा निष्क्रिय होते हैं।

अब नए नियम के उद्धरण, निश्चित रूप से, हमारे लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। वह प्रेरितों के काम 3:25 है जहाँ आप पढ़ते हैं, “और तुम उस प्रतिज्ञा और वाचा के वारिस हो जो परमेश्वर ने तुम्हारे पूर्वजों से बान्धी थी। उसने इब्राहीम से कहा, 'तेरी संतान के माध्यम से पृथ्वी पर सभी लोग धन्य होंगे।' आपके माध्यम से आशीर्वाद मिलेगा।" यह निष्क्रिय है। पॉल के शब्दों में यह स्पष्ट है कि वह इस वादे को क्या कहता है? वह इसे सुसमाचार कहते हैं। वह कहता है, "और इब्राहीम को पहले से ही सुसमाचार की घोषणा की: 'सभी राष्ट्र तुम्हारे माध्यम से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।'" अब मुझे लगता है कि यह उत्पत्ति 12:3 में इस कथन के महत्व पर प्रकाश डालता है। इब्राहीम राष्ट्रों के लिए कैसे आशीष बनेगा? मुझे लगता है कि आशीर्वाद को उसके बीज में साकार किया जाना चाहिए, जो उत्पत्ति 3:15 पर वापस जाकर, साँप को कुचल देगा। यह उत्पत्ति 3:15 की ओर इशारा करता है और मसीह और उसके द्वारा सुरक्षित किये गये उद्धार की ओर इशारा करता है। तो मुझे लगता है कि उस वादे में आपके पास वह विचार है जो संपूर्ण बाइबल का केंद्र है। प्रश्न और टिप्पणियाँ?

नए नियम के किसी भी अनुच्छेद में आपके पास पाँचों में से किसी एक का सीधा उद्धरण नहीं है। यह एक प्रकार का पुनर्लेखन है जो पाँचों के तत्वों को जोड़ता है। पाँचों में थोड़ी भिन्नता है। आप देखिए कि तर्क में कहा जा सकता है, "वे इन निफाल बयानों में से एक को उद्धृत कर सकते हैं।" लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कह सकते हैं, क्योंकि जिस तरह से इसे थोड़ा संक्षिप्त और पुनर्गठित किया गया है। यह बस उस मूल कथन के सार को दोहरा रहा है। यह उनमें से आधे को एक तरह से और आधे को दूसरे तरीके से करने के बजाय उन सभी का लगातार अनुवाद करने का एक कारण बन जाता है।

प्रेरितों के काम 13:17 में शेष अध्याय के माध्यम से, पॉल पुराने नियम के इतिहास का पता लगाता है। वह पुराने नियम के इतिहास को डेविड से ईसा मसीह के निर्वासन तक खोजता है। यह प्रेरितों के काम 13 है। वह वहाँ कई स्थानों पर ईसा मसीह को पिताओं से किए गए वादे की पूर्ति के रूप में बोलता है। यदि आप प्रेरितों के काम 13:23 को देखें, "इस व्यक्ति के वंशजों में से

परमेश्वर ने अपने वादे के अनुसार उद्धारकर्ता यीशु को इस्राएल में लाया है।" वंश के पिताओं से किया गया वादा कहाँ गया? प्रेरितों के काम 13:32, "हम तुम्हें खुशखबरी सुनाते हैं: परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से जो वादा किया था, वह यीशु को फिर से जीवित करके हमारे लिए, उनके बच्चों के लिए पूरा किया है, जैसा कि दूसरे स्तोत्र में लिखा है: 'तुम मेरे पुत्र हो;' आज मैं तुम्हारा पिता बन गया हूँ।" तो इस तरह के संदर्भ प्रतिज्ञा से मसीह की ओर बढ़ते हैं, मुझे लगता है कि यह उत्पत्ति 12:3 की ओर भी संकेत है, जो इस समझ के साथ है कि यह एक निष्क्रिय है न कि प्रतिवर्ती।

तो इस कथन में और इब्राहीम को इन वादों की प्रस्तुति के इन बयानों में हमारे पास वोस है जो पृष्ठ 77 पर कहता है, जो वहां आपकी ग्रंथ सूची में सूचीबद्ध है, कि "उत्पत्ति 12 में एक परिवार को कई सेमेटिक परिवारों से लिया गया है और इसके भीतर ईश्वर के मुक्तिदायक रहस्योद्घाटन कार्य को आगे बढ़ाया जाता है। यह इब्राहीम की पुकार का जबरदस्त महत्व है। देखें कि हम जो पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं वह उत्पत्ति 3:15 में निहित वादे की पंक्ति की प्रगति है और यहां हम एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हैं। इब्राहीम की रेखा वह रेखा है जिसके माध्यम से वह रेखा आगे बढ़ेगी।

उत्पत्ति 12:7 - वादा की गई भूमि

उत्पत्ति अध्याय 12, श्लोक 7 प्रतिज्ञा की भूमि की बात करता है। "मैं यह भूमि तेरे वंश को दूंगा।" आपने देखा कि कविता इस कथन से शुरू होती है "प्रभु ने इब्राहीम को दर्शन दिए और कहा, 'मैं यह भूमि तुम्हारे वंश को दूंगा।'" यह पहली बार है कि पुराने नियम में यह कहा गया है कि प्रभु किसी को दिखाई देते हैं। निस्संदेह, हम जानते हैं कि प्रभु आदम और हव्वा के साथ अदन की वाटिका में चले थे। लेकिन यह अभिव्यक्ति "भगवान किसी को दिखाई दिए" यह पहली बार हुआ है। एक तकनीकी शब्द है जिसका उपयोग प्रभु की उपस्थिति की इस और बाद की घटनाओं के लिए किया जाता है और वह शब्द है "थियोफनी" - भगवान की अभिव्यक्ति। अब मुझे लगता है कि यदि आपको "थियोफनी" को परिभाषित करना हो तो आप कहेंगे: यह एक अस्थायी रूप में ईश्वर की अभिव्यक्ति है जो बाहरी इंद्रियों के लिए बोधगम्य है। इसलिए थियोफनी के माध्यम से ईश्वर विभिन्न लोगों के लिए अपनी उपस्थिति को दृश्यमान और पहचानने योग्य बनाता है। अब इस

विशेष उदाहरण में थियोफनी का स्वरूप क्या था, यह कहना कठिन है, हमें नहीं बताया गया है। लेकिन किसी भी मामले में, यह ईश्वर की उपस्थिति का कुछ दृश्यमान रहस्योद्घाटन था। वास्तव में मौखिक रूप "भगवान प्रकट हुए" क्रिया रा'आ का एक निष्क्रिय रूप है। यह निष्क्रिय है, "भगवान को देखा गया, वह प्रकट हुआ।"

अन्य इब्राहीम वाचा मार्ग: वादा की गई भूमि

उत्पत्ति 15 के पहले पद में आप पढ़ते हैं, "इसके बाद, यहोवा का यह वचन दर्शन में अब्राम के पास पहुंचा: 'हे अब्राम, मत डर। मैं आपकी ढाल हूं, आपका बहुत बड़ा इनाम हूं।' अब आमतौर पर दूरदर्शी स्थिति को भाषा द्वारा थियोफनी से अलग किया जाता है। दूरदर्शी अनुभव बाहरी संवेदी धारणा से जुड़ा नहीं है, यह आंतरिक है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह ईश्वर का अस्थायी रूप में प्रत्यक्ष स्वरूप या प्रतिनिधित्व है। परन्तु वह न केवल कुछ देखता है, क्योंकि यहोवा ने उसे दर्शन दिया है, वह कुछ सुनता भी है, परमेश्वर ने कहा, और कहा, मैं यह भूमि तेरे वंश को दूंगा। अब उस भूमि के वादे का उल्लेख बाद में अध्याय 17 श्लोक 7 में और अध्याय 15 में भी किया गया है। लेकिन उत्पत्ति 17:7 में, "मैं अपने और तुम्हारे और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंशजों के बीच पीढ़ियों के लिए एक चिरस्थायी वाचा के रूप में अपनी वाचा स्थापित करूंगा।" आओ, तुम्हारा परमेश्वर और तुम्हारे पश्चात् तुम्हारे वंश का परमेश्वर बनें। कनान का सारा देश, जहां तू अब परदेशी है, मैं तुझे और तेरे पश्चात् तेरे वंश को सदा के लिये निज भाग कर दूंगा; और मैं उनका परमेश्वर ठहरूंगा।" तो ऐसा लगता है कि यह वादा भविष्य में लंबे समय तक अनिश्चित काल तक जारी रहने का है।

भूमि का वादा कई सवाल उठाता है कि क्या इसे पहले ही पर्याप्त रूप से पूरा किया जा चुका है, क्या वादे का यह शाश्वत पहलू वर्तमान में भी वैधता के साथ जारी है। मेरी राय है कि यह उत्पत्ति 17:7 और 8 के समानांतर बना हुआ है, भूमि का वादा शाश्वत के रूप में इब्राहीम की वाचा के समानांतर है। मुझे ऐसा लगता है कि जब तक इब्राहीम की वाचा एक वैध इकाई बनी रहेगी तब तक भूमि का वादा उसी के अनुरूप है। तो यह अभी भी मान्य है। मुझे ऐसा लगता है कि इसका पूरा एहसास होना अभी बाकी है। पुराने नियम की भविष्यवाणी पुस्तकों के विभिन्न खंडों के बारे में

मेरी अपनी समझ यह है कि भविष्य में इसराइल की भूमि पर वापसी होगी। भविष्यवाणी की किताबें भूमि के फैलाव के बाद और भविष्य में वापसी के बारे में बहुत कुछ कहती हैं।

उन भूमिवादों के साथ दो चीजें की जाती हैं। कुछ लोग कहते हैं कि जब वे बेबीलोन की निर्वासन से लौटे तो वे पर्याप्त रूप से संतुष्ट थे। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप उन्हें विस्तार से देखें तो बहुत सारी बारीकियाँ निर्वासन से वापसी के साथ मेल नहीं खातीं। अतः यह पर्याप्त पूर्ति नहीं है। अन्य लोग इसे पहचानेंगे और कहेंगे कि चर्च में भूमि संबंधी वादों की आध्यात्मिक पूर्ति इस अर्थ में होती है कि भूमि का विस्तार दुनिया भर में होता है और यह सिर्फ एक प्रतीक बन जाता है, न कि भविष्य में यहूदी लोगों के साथ भौगोलिक पूर्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। . हालाँकि यह इस पाठ्यक्रम के दायरे से परे है। लेकिन मुझे लगता है कि हम अभी भी विशिष्ट विवरणों की भविष्य में पूर्ति देखेंगे।

मुझे लगता है कि यह डेविड के समय में अस्थायी रूप से पूरा हो गया था क्योंकि यदि आप उत्पत्ति 15 में फरात से लेकर मिस्र की नदी तक की सीमाओं को देखें तो डेविड के समय में राज्य उन सीमाओं तक फैला हुआ था। जब सुलैमान ने कब्ज़ा किया तो इसमें बिल्कुल उन्हीं सीमाओं का उल्लेख है। मुझे ऐसा लगता है कि यह इसकी एक अस्थायी पूर्ति है, लेकिन यह खो गया है और मुझे ऐसा लगता है कि यह वादा अब क्रियान्वित नहीं है, लेकिन मैं इसकी भविष्य में पूर्ति की आशा करता हूँ।

उत्पत्ति 15 वाचा का अनुसमर्थन

आइए उत्पत्ति 15 पर चलते हैं, जो इब्राहीम की वाचा से संबंधित दूसरा अनुच्छेद है। मुझे लगता है कि हम अध्याय 15 को प्रभु की वाचा की शपथ द्वारा वाचा के अनुसमर्थन के रूप में देख सकते हैं। मैं इसे पढ़ना चाहता हूँ क्योंकि यह एक दिलचस्प अध्याय है और मुझे लगता है कि हमें पूरा पाठ ध्यान में रखना चाहिए। “इसके बाद यहोवा का यह वचन दर्शन में अब्राम के पास पहुंचा, 'हे अब्राम, मत डर। मैं तुम्हारी ढाल हूँ, तुम्हारा बहुत बड़ा इनाम हूँ।' परन्तु अब्राम ने कहा, हे प्रभु यहोवा, तू मुझे क्या दे सकता है, क्योंकि मैं निःसन्तान हूँ, और जो मेरी सम्पत्ति का वारिस होगा वह दमिश्क का एलीएजेर है? और अब्राम ने कहा, तू ने मुझे कोई सन्तान नहीं दी; इसलिए मेरे घर का

एक नौकर मेरा उत्तराधिकारी होगा।' तब यहोवा का यह वचन उसके पास पहुंचा, कि यह पुरुष तेरा वारिस न होगा, परन्तु तेरे ही शरीर से उत्पन्न हुआ एक पुत्र तेरा वारिस होगा। वह उसे बाहर ले गया और कहा, 'आकाश की ओर देखो और तारों को गिनो - यदि तुम सचमुच उन्हें गिन सकते हो।' तब उस ने उस से कहा, तेरा वंश ऐसा ही होगा। अब्राम ने यहोवा पर विश्वास किया, और उस ने इसे धार्मिकता गिना।

"उस ने उस से यह भी कहा, 'मैं यहोवा हूँ, जो तुझे कसदियों के ऊर से निकाल लाया, कि तुझे यह देश दे, कि तू उसका अधिकारनी हो जाए।' परन्तु अब्राम ने कहा, हे प्रभु यहोवा, मैं कैसे जानूँ कि मैं उस पर अधिकार करूँगा? तब यहोवा ने उस से कहा, मेरे लिये तीन तीन वर्ष की एक बछिया, एक बकरी, और एक मेढ़ा, और एक कबूतर और एक बच्चा ले आ। अब्राम इन सब को अपने पास लाया, और उन्हें दो भागों में काटा, और हिस्सों को एक दूसरे के सामने रखा; हालाँकि, उसने पक्षियों को आधा नहीं काटा। तब शिकारी पक्षी लोथों पर झपट पड़े, परन्तु अब्राम ने उन्हें उड़ा दिया। जब सूर्य डूबने लगा, तो अब्राम गहरी नींद में सो गया, और उस पर घना और भयानक अन्धकार छा गया। तब यहोवा ने उस से कहा, निश्चय जानो, कि तेरे वंश पराये देश में परदेशी होकर रहेंगे, और चार सौ वर्ष तक दास बनाए रहेंगे, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाएगा। परन्तु मैं उस जाति को दण्ड दूँगा जिसकी वे दास होकर सेवा करते हैं, और उसके बाद वे बड़ी सम्पत्ति लेकर निकलेंगे। हालाँकि, तुम शांति से अपने पिता के पास जाओगे और अच्छी बुढ़ापे में दफनाए जाओगे। चौथी पीढ़ी में तुम्हारे वंशज यहाँ लौट आएँगे, क्योंकि एमोरियों का पाप अब तक अपनी पूरी सीमा तक नहीं पहुँचा है।"

“जब सूरज डूब गया और अंधेरा छा गया, तो धधकती मशाल के साथ एक धूम्रपान करने वाला अग्निपात्र प्रकट हुआ और टुकड़ों के बीच से होकर गुजरा। उस दिन यहोवा ने अब्राम के साथ वाचा बान्धी और कहा, 'मैं यह देश तेरे वंश को देता हूँ' और फिर सीमाओं का उल्लेख किया गया है।

तो जैसा कि हमने पहली कविता में देखा था, जैसा कि हमने पहले श्लोक में देखा था, आपके पास भगवान इब्राहीम से बात कर रहे हैं, यह एक दूरदर्शी सेटिंग है जहां व्यक्ति सामान्य इंद्रिय धारणाओं के अलावा इंप्रेसन प्राप्त करता है। वह चीजों को देख सकता है और सुन सकता

है, लेकिन कान और आँख के बाहरी तंत्र के माध्यम से नहीं। यह आंतरिक है। पद 4 और 5 में प्रभु एक महान वंश का वादा दोहराते हैं। एलीएजर चुना हुआ वंशज नहीं होने जा रहा है, कोई है जो उसके अपने शेरों से आने वाला है। और फिर गुणा का वादा है कि उससे एक महान राष्ट्र का उदय होगा।

श्लोक 6 प्रभावशाली है: इब्राहीम की प्रतिक्रिया। “उसने यहोवा पर विश्वास किया, और यह उसके लिये धर्म गिना गया।” बाइबल में यह पहली बार है कि विश्वास और धार्मिकता की दो महत्वपूर्ण अवधारणाएँ जुड़ी हुई हैं। “उसने प्रभु पर विश्वास किया और यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया।” ध्यान दें कि इसे कैसे शब्दबद्ध किया गया है। यह उसके विश्वास के कारण नहीं है कि वह धर्मी बना है, परन्तु प्रभु ने उसके लिये इसे धार्मिकता गिना। रोमियों 4:3 में पौलुस इस ओर संकेत करता है जहाँ वह कहता है, “पवित्रशास्त्र क्या कहता है? 'इब्राहीम ने ईश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया।' अब जब कोई मनुष्य काम करता है, तो उसकी मजदूरी उपहार के रूप में नहीं, बल्कि दायित्व के रूप में उसके खाते में डाली जाती है। परन्तु जो मनुष्य काम नहीं करता, परन्तु परमेश्वर पर भरोसा रखता है, जो दुष्टों को धर्मी ठहराता है, उसका विश्वास धार्मिकता गिना जाता है।” यहां आपके पास विश्वास के आधार पर धार्मिकता का यह आरोपण या गणना है। इसलिए पापी की मुक्ति, पॉल कह रहा है, कर्मों से नहीं बल्कि विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से होती है। आस्था द्वारा औचित्य पर ल्यूपोल्ड की चर्चा उत्कृष्ट है।

वाचा शपथ अनुष्ठान: एक संविदा अनुष्ठान काटें - धूम्रपान भट्टी के गुजरने का दर्शन भागों के बीच

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं आपके सामने यह रहस्यमय दृश्य चित्रित होता है जहां इब्राहीम ने जानवरों को ले लिया है और उन्हें मार डाला है और हिस्सों को खुला रख दिया है। फिर आपने श्लोक 12 में पढ़ा, "जैसे ही सूर्य अस्त हो रहा था, अब्राहम गहरी नींद में सो गया।" अब याद रखें कि आप पहले से ही एक दूरदर्शी संदर्भ में हैं, इसलिए इस दृष्टि के भीतर आप देखते हैं कि अब्राहम गहरी नींद में सो रहा है "और एक घना और भयानक अंधकार उसके ऊपर आ गया।" और फिर श्लोक 17 में आपके पास यह धूआं भट्टी, वह जलता हुआ दीपक है, जो मारे गए जानवर के टुकड़ों

के बीच से गुजरता है जो एक रहस्यमय और अजीब घटना है। अब सवाल यह है कि क्या हो रहा है?

मेरेडिथ क्लाइन की पुस्तक बाय ओथ कंसाइन्ड में इसकी अच्छी चर्चा है। यह आपकी ग्रंथ सूची में पृष्ठ 13 के मध्य के बारे में है। हो सकता है कि आप कभी-कभी पृष्ठ 16 और 45 को देखना चाहें। लेकिन मेरेडिथ क्लाइन को न्यू बाइबल कमेंटरी, खंड "उत्पत्ति पर टिप्पणी" में बहुत संक्षिप्त तरीके से, उस खंड पृष्ठ 95 का उत्पत्ति खंड भी देखना चाहेंगे। क्लाइन वहां कहते हैं, "द शपथ अनुष्ठान जिसके लिए इब्राहीम ने तैयारी की थी, संधि अनुसमर्थन में प्रथागत था। इससे अनुबंध बनाने के लिए विभिन्न मुहावरे प्राप्त हुए, जैसे कि हिब्रू मुहावरा 'एक अनुबंध तोड़ो।' एक वाचा या जो भी अनुवाद हो, हिब्रू से शाब्दिक अनुवाद "एक वाचा काटो" है। हिब्रू अभिव्यक्ति करात बेरिट है - एक अनुबंध को तोड़ने के लिए। यदि हम कहते हैं "एक अनुबंध तोड़ो" तो इसका कोई मतलब नहीं है क्योंकि मुहावरे की पृष्ठभूमि हमारे लिए खो गई है। आप देख सकते हैं कि मुहावरे की पृष्ठभूमि अनुसमर्थन समारोह है जो इस प्रकार की व्यवस्थाओं के समापन से जुड़ा था जहां जानवरों को दो भागों में काट दिया जाता था। जानवरों की हत्या का निहितार्थ यह था: यदि मैं समझौते के दायित्व को पूरा नहीं करता हूं तो मेरे साथ भी ऐसा किया जाए।

तो क्लाइन आगे कहते हैं, "अब्राहम ने जिस शपथ अनुष्ठान के लिए तैयारी की थी, वह संधि अनुसमर्थन में प्रथागत था, इससे हिब्रू में 'एक वाचा काटो' जैसी वाचा बनाने के लिए विभिन्न मुहावरे उत्पन्न हुए।" शपथ में सशर्त रूप से लागू किए गए अभिशाप को जानवरों की हत्या और टुकड़े-टुकड़े करने का प्रतीक बनाया गया था 'जो इस अनुबंध को तोड़ता है उसके साथ भी ऐसा ही किया जा सकता है।'"

अब इससे संबंधित एक अंश यिर्मयाह 34:18 है, जहां आप पढ़ते हैं, "जिन लोगों ने मेरी वाचा का उल्लंघन किया है और उस वाचा की शर्तों को पूरा नहीं किया है जो उन्होंने मेरे सामने बनाई थी, मैं उनके साथ उस बछड़े के समान व्यवहार करूंगा जिसे उन्होंने दो भागों में काटा है और फिर उसके टुकड़ों के बीच चला गया।" आप देख सकते हैं कि एक अनुबंध को औपचारिक रूप देने के संदर्भ में बछड़े को दो भागों में काटने और भागों के बीच से गुजारने का संदर्भ है।

“यहूदा और यरूशलेम के हाकिमों, दरबारियों, याजकों और देश के सभी लोगों को जो बछड़े के

टुकड़ों के बीच चले गए थे, मैं उनके प्राणों के खोजियों को उनके शत्रुओं के वश में कर दूँगा। उनके शव आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं का आहार बन जायेंगे।” आप देख सकते हैं कि अनुबंध अनुसमर्थन समारोह के उस संदर्भ की भाषा बहुत कुछ वैसी ही है जैसी यहां उत्पत्ति 15 में चल रही है।

स्पाइसर ने अपनी एंकर बाइबिल टिप्पणी में लिखा है कि मारी दस्तावेजों के एमोराइट्स, वे ग्रंथ जो मारी में पाए गए थे, इस प्रकार के अनुष्ठानों में गधे का इस्तेमाल करते थे जिसके परिणामस्वरूप मारी दस्तावेजों की शब्दावली में मुहावरा "गधे को मारना" था। एक समझौता या अनुबंध में प्रवेश करने के लिए। हिब्रू में आपके पास कैरेट बेरिट है , "एक अनुबंध काटना" एक अनुबंध स्थापित करने के लिए मुहावरेदार है लेकिन इस अनुष्ठान को प्रतिबिंबित करता है जो इस अनुबंध की स्थापना से जुड़ा हुआ था।

अब जब आप श्लोक 17 पर आते हैं तो आप ध्यान देते हैं कि यह कहता है, एक धूआं देने वाली ज्वलंत भट्टी जो जानवरों के मारे गए हिस्सों के बीच से गुजरती है और अधिकांश लोग धूआं देने वाली भट्टी और जलते हुए दीपक को स्वयं ईश्वर का एक प्रकार का थियोफैनिक प्रतिनिधित्व समझते हैं। ईश्वर ही शपथ ले रहा है। वह मारे गए जानवरों के अंगों के बीच से गुजर रहा है। तो क्लाइन अपनी टिप्पणी में कहते हैं, "थियोफनी, जैसा कि अक्सर अन्यत्र होता है, भगवान की उपस्थिति को इंगित करने के लिए आग और धुएं के तत्वों का उपयोग करता है। टुकड़ों के बीच अकेले गुजरते हुए भगवान ने अपनी वाचा के वादों के प्रति निष्ठा की शपथ ली और शवों के प्रतीक सभी अभिशापों को अपने ऊपर ले लिया।

अब क्लाइन ने अपनी पुस्तक बाय ओथ कंसाइन्ड में वादा अनुबंध और कानून अनुबंध के बीच अंतर पर कुछ विस्तार से चर्चा की है। प्रतिज्ञा वाचा में परमेश्वर ही शपथ लेता है। कानून की वाचा में मनुष्य ही शपथ लेता है। इसलिए , उदाहरण के लिए, यदि आप इस वाचा, इब्राहीम वाचा की तुलना सिनैटिक वाचा से करते हैं, तो आप यहां इब्राहीम वाचा में पाते हैं कि यह ईश्वर है जो शपथ ले रहा है। यह ईश्वर है जो मारे गए जानवरों के अंगों के बीच से गुजरता है। यदि आप सिनाई वाचा तक पहुंचे हैं तो यह वे लोग हैं जो कहते हैं "वह सब जो प्रभु कहते हैं हम करेंगे।" तो सिनाई में लोग ही शपथ लेते हैं। यह दो अलग-अलग प्रकार की वाचा के बीच का अंतर है । इसलिए इस

प्रकार का अनुष्ठान इब्राहीम वाचा की प्रतिज्ञा प्रकृति का संकेत है। भगवान कह रहे हैं कि मैं तुम्हारे लिए यही करूँगा।

आधिपत्य/जागीरदार संधियों में छोटे साझेदार शपथ लेते थे, महान राजा नहीं, इसलिए सिनाई कानून संधि के समानांतर है। कुछ लोग उस संधि प्रपत्र को उत्पत्ति 15 और 17 के साथ समानांतर करने का प्रयास करते हैं। मुझे लगता है कि इसके कुछ पहलू हैं जो समानांतर हैं लेकिन समानता इब्राहीम की तुलना में सिनाई वाचा के साथ अधिक मजबूत है। इब्राहीम की वाचा वास्तव में प्रतिज्ञा अनुदान कहलाने वाली चीज़ों से अधिक मिलती-जुलती है, जहां एक महान राजा एक जागीरदार भूमि या उस प्रकार की किसी चीज़ का वादा करता है।

प्रश्न: आमतौर पर आतंक और अंधकार के महत्व के बारे में क्या कहा जाता है?

वर्नाय: यह एक बहुत गंभीर भयावह घटना की तस्वीर मात्र है। बाय ओथ कंसाइन्ड में मेरेडिथ क्लाइन का कहना है कि यह ओल्ड टेस्टामेंट गोलगोथा है, जहां भगवान यह आश्वासन देने के लिए श्राप अपने ऊपर ले रहे हैं कि वे वादे पूरे होंगे। तो आप कह सकते हैं कि उस भयावहता का कुछ अंश सेटिंग में अंतर्निहित है।

ठीक है, हम कल इस बिंदु पर विचार करेंगे।

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा प्रतिलेखित

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा कच्चा और अंतिम संपादन

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया